कानपुर, शनिवार, 21 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 73, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड कुष्मांडाः मां दुर्गा की चौथी शक्ति की पावन कथा...>Pg12

दो पालियों में अदा हुई ईद की नमाज़...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

हाईवे पर गौ-तस्करी के शक में पीछा करते समय कुचलकर हत्या का आरोप

गौरक्षक 'फरसा वाले बाबा' का मर्डर! मथुरा में 'गदर'

स्वराज इंडिया ब्यूरो

मथुरा। मथुरा में 'फरसा वाले बाबा' के नाम से चर्चित गौरक्षक चंद्रशेखर की संदिग्ध मौत ने शनिवार को कानून-व्यवस्था को गंभीर चुनौती दे दी। आरोप है कि गौ-तस्करों ने पीछा करने के दौरान उनकी गाड़ी को टक्कर मारकर कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद भड़की भीड़ ने दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया और विरोध प्रदर्शन ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया।

कोसीकलां थाना क्षेत्र के नवीपुर इलाके में हुई इस घटना के बाद हालात तेजी से बिगड़े। आक्रोशित भीड़ ने शव को हाईवे पर रखकर प्रदर्शन किया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब प्रदर्शनकारियों ने पथराव शुरू कर दिया। जवाब में पुलिस को पहले लाठीचार्ज और फिर हालात काबू में लाने के लिए रबर बुलेट का सहारा लेना पड़ा।

हिंसा के दौरान कई लोगों के घायल होने की सूचना है, जबकि एडीएम प्रशासन की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया गया। हाईवे जाम के चलते कई किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार लग गई, जिसमें आम लोगों के साथ विदेशी पर्यटक भी फंसे रहे। मौके पर भारी पुलिस बल और पीएसी तैनात कर दी गई है, जबकि वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। हालांकि, इलाके में अब भी तनाव बना हुआ है और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। यह पूरी घटना न सिर्फ एक आपराधिक मामले की जांच का विषय है, बल्कि यह भी दिखाती है कि संवेदनशील मुद्दों में किस तरह हालात तेजी से बेकाबू हो जाते हैं। अगर समय रहते ठोस कार्रवाई और संवाद न हो, तो ऐसी घटनाएं बार-बार कानून-व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन सकती हैं।

उग्र भीड़ का पथराव, भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को रबर बुलेट चलानी पड़ी

सीएम सख्तः मथुरा घटना पर तत्काल एक्शन लें

लखनऊ। मथुरा में हुई हालिया घटना को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मामले में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर उनके खिलाफ प्रभावी धाराओं में कार्रवाई की जाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। इसके साथ ही सीएम ने पूरे घटनाक्रम की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है और जिम्मेदार अधिकारियों को मौके पर सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अखिलेश यादव का तीखा हमला

मथुरा में हुए बवाल पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घटना को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

कहा कि मथुरा की घटना उत्तर प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था का ताजा उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपराध और अराजकता को रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। उनके अनुसार, फ्रप्रदेश में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जिससे आम जनता में भय का माहौल बन गया है। सपा प्रमुख ने पुलिस की कार्रवाई को भी कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों से निपटने में प्रशासन ने संतुलन नहीं रखा और कई जगहों पर अनावश्यक बल प्रयोग की शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई हो। इस बयान के बाद मथुरा की घटना ने अब पूरी तरह राजनीतिक रंग ले लिया है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर सियासी घमासान और तेज होने की संभावना है।

डीआईजी शैलेश कुमार पांडे की अगुवाई में कार्रवाई, हाईवे फिर हुआ सुचारू

जनपद में उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति के बीच पुलिस प्रशासन ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए हालात पर काबू पा लिया। आगरा रेंज के कर्तव्यनिष्ठ डीआईजी शैलेश कुमार पांडे ने मौके पर मोर्चा संभालते हुए पूरी स्थिति की कमान अपने हाथ में ली। प्रदर्शन के दौरान उग्र हुए लोगों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कर्मियों ने आवश्यक बल प्रयोग करते हुए लाठीचार्ज किया और भीड़ को खदेड़ दिया। इसके बाद स्थिति को तेजी से सामान्य किया गया। हंगामे के कारण बाधित दिल्ली-आगरा हाईवे को भी पुलिस ने तत्काल प्रभाव से सुचारू रूप से चालू करा दिया, जिससे यातायात फिर से सामान्य हो सका। फिलहाल घटनास्थल पर शांति बनी हुई है और हालात पूरी तरह नियंत्रण में बताए जा रहे हैं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, डीआईजी शैलेश कुमार पांडे की सूझबूझ, त्वरित निर्णय क्षमता और सक्रियता के चलते मथुरा में संभावित बड़ी घटना टल गई। पुलिस बल क्षेत्र में सतर्कता बरतते हुए लगातार निगरानी बनाए हुए है।

पिछली ऐसी घटनाओं का रिकॉर्ड

- **उत्तर प्रदेश (2023-24):** पश्चिमी यूपी के कई जिलों में गौ-तस्करी के शक में पीछा और टकराव के दौरान हिंसा की घटनाएं सामने आईं। कई मामलों में सड़क दुर्घटना और भीड़ के टकराव ने कानून-व्यवस्था को चुनौती दी।
- **हरियाणा-राजस्थान बॉर्डर (भिवानी, 2023):** गौ-तस्करी के आरोप में दो लोगों की हत्या का मामला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा। बाद में जांच एजेंसियों को हस्तक्षेप करना पड़ा और कई गिरफ्तारियां हुईं।
- **झारखंड (लातेहार, 2016):** गौ-तस्करी के शक में दो युवकों की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने की घटना ने देशभर में आक्रोश पैदा किया और मॉब लिंचिंग पर सख्ती की मांग उठी।
- **उ. प्र. (अलीगढ़/बुलंदशहर, विभिन्न वर्ष):** गौ-तस्करी के मामलों में पुलिस-भीड़ टकराव और सड़क जाम की घटनाएं बार-बार सामने आईं, जहां अफवाह और आक्रोश ने हालात बिगाड़े।

यती संकल्प संस्थान ने समाज सेवा का संकल्प दोहराया

चैत्र नवरात्रि पर आयोजित स्नेह मिलन समारोह में बोली नीतू सिंह

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। भारतीय नववर्ष एवं चैत्र नवरात्र के शुभ अवसर पर यती संकल्प संस्थान द्वारा होटल लिटिल शेफ में पत्रकार स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के पत्रकारों, छायाकारों, मीडिया से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों एवं प्रबुद्ध नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान की सचिव सीए नीतू सिंह द्वारा अतिथियों के आत्मीय स्वागत से हुई। अपने संबोधन में उन्होंने संस्थान के उद्देश्य एवं कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यती संकल्प संस्थान केवल सेवा कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में संवेदना, सहभागिता और उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने का निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थान का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाकर सकारात्मक बदलाव लाना है।

उन्होंने बताया कि संस्थान शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वावलंबन के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। गरीब बच्चों को स्किल डेवलपमेंट का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत श्री रामलला आरोग्य धाम हॉस्पिटल के माध्यम से जरूरतमंदों को न्यूनतम लागत पर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा समय-समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं रक्तदान शिविरों का आयोजन भी किया जाता है।संस्थान द्वारा मछुवा नगर स्थित एक बस्ती को गोद लेकर उसका नाम ÷निषाद राज सेवा बस्ती÷ रखा गया है, जहां समग्र विकास के लिए कार्य किए जा रहे हैं। बस्ती की महिलाओं को जागरूक एवं स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से भविष्य में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन स्थापित करने की योजना है। साथ ही बच्चों को खेलों में प्रोत्साहित करने के लिए विक्रमाजीत सिंह सनातन धर्म कॉलेज के क्रीड़ास्थल पर प्रशिक्षण देने की भी तैयारी है।

सीए नीतू सिंह ने बताया कि संस्थान के सदस्य होली, दीपावली और रक्षाबंधन जैसे सभी प्रमुख त्योहार सेवा बस्ती में ही मनाते हैं। इसके अलावा कंबल वितरण, समरसता भोज जैसे कार्यक्रम भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में इस सेवा बस्ती को महानगर की आदर्श सेवा बस्ती बनाने का संकल्प लिया गया है।कार्यक्रम का समापन आपसी संवाद, सौहार्द और समाज सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के संदेश के साथ हुआ।

मेधावी छात्र-छात्राओं को मिला सम्मान

» अनुशासन व परिश्रम का दिया संदेश

» बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में हुआ वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज, बेनाझाबर में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्रह्मचारिणी भगवती चैतन्या (आचार्या, चिन्मय मिशन, मंधना) के आगमन पर दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ किया गया। विद्यालय के प्रबंधक एवं अधिवक्ता आदित्य शंकर बाजपेयी ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया, जबकि उपप्रधानाचार्या मंजूबाला श्रीवास्तव ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया।

समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी कक्षाओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त मेधावियों को सम्मानित करने के साथ ही वाद-विवाद, निबंध लेखन, विज्ञान प्रदर्शनी एवं खेलकूद जैसी आंतरिक व बाह्य प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त पाठ्येतर गतिविधियों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों को भी मंच पर सम्मान दिया गया।

मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जीवन में बड़ी सफलताएं कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से ही प्राप्त होती हैं तथा विद्यार्थियों को निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान शैली गुप्ता ने एकल गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं अन्य गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दो पालियों में अदा हुई ईद की नमाज, अमन-चैन का संदेश

बड़ी ईदगाह समेत प्रमुख मस्जिदों में दो चरणों में नमाज, हजारों लोगों की उमड़ी भीड़

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में ईद-उल-फितर का पर्व पूरे धार्मिक उल्लास और सौहार्द के साथ मनाया गया। शहर की बड़ी ईदगाह बेनाझाबर समेत प्रमुख मस्जिदों में शनिवार को दो पालियों में नमाज अदा की गई। पहली नमाज सुबह 8 बजे और दूसरी 9:30 बजे पढ़ी गई। भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह व्यवस्था की गई थी।शहर काजी

⇨ नेताओं और प्रशासन की मौजूदगी, 'सड़क पर नमाज नहीं' अपील का दिखा असर

हाफिज मामूर अहमद जामई की अपील का असर साफ तौर पर दिखाई दिया। नमाजियों ने सड़क पर नमाज अदा करने के बजाय ईदगाह परिसर के भीतर ही इबादत की और देश में अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगी।

जामा मस्जिदों और अन्य बड़े इबादत स्थलों पर भी भीड़ के मद्देनजर दो बार नमाज पढ़ी गई।ईद के मौके पर सामाजिक और राजनीतिक सौहार्द की झलक भी देखने को मिली। पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी और विधायक अमिताभ बाजपेई ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इरफान सोलंकी ने चार साल बाद अपनों के बीच ईद मनाने की खुशी जाहिर की और सभी को बधाई दी, साथ ही नवरात्र की शुभकामनाएं भी दीं।प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल और डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर लोगों को बधाई दी और बच्चों के साथ संवाद कर सौहार्द का संदेश दिया।

जाजमऊ ईदगाह में करीब 45 हजार नमाजियों ने एक साथ नमाज अदा की, जहां परिवारों के साथ पहुंचे लोगों ने इस पर्व को खास बनाया।शहर की 300 से अधिक मस्जिदों में अलग-अलग समय पर नमाज अदा की गई। ईदगाहों और मस्जिदों में साफ-सफाई, चूने से बनाए गए निशान और अन्य व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की गई थीं, जिससे कहीं भी अव्यवस्था की स्थिति नहीं बनी।इस तरह कानपुर में ईद का त्योहार न सिर्फ धार्मिक आस्था बल्कि सामाजिक सौहार्द और अनुशासन का भी प्रतीक बनकर सामने आया।

घंटाघर बना 'अतिक्रमणगढ़', जाम में घुट रहा कानपुर!

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। शहर का दिल कहे जाने वाला घंटाघर अब अव्यवस्था, अतिक्रमण और जाम का सबसे बड़ा प्रतीक बन चुका है। पुलिस और नगर निगम के दावे जमीन पर पूरी तरह फेल नजर आ रहे हैं। फुटपाथ पूरी तरह गायब हैं, सड़कें सिकुड़ गई हैं और आम नागरिक रोजाना जाम के दलदल में फंसने को मजबूर हैं।

घंटाघर चौराहे से लेकर स्टेशन रोड तक हालात इतने बदतर हैं कि पैदल चलना भी किसी जोखिम से कम नहीं। फुटपाथों पर रेहड़ी-पटरी, ठेले और अस्थायी दुकानों का कब्जा है, जबकि दुकानदारों ने 8 से 10 फीट तक सामान फैलाकर सड़क को भी घेर लिया है। नतीजा—जो सड़कें ट्रैफिक के लिए बनी थीं, वही अब बाजार बन चुकी हैं।

उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कागज़ों तक सीमित है। सवाल उठता है कि जब सर्वोच्च आदेशों की भी अनदेखी हो रही है तो जिम्मेदार कौन है?

शहर में सीएम ग्रिड योजना के तहत चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि फुटपाथ ही कब्जे में हैं। करोड़ों की योजनाएं अतिक्रमण के आगे बौनी साबित हो रही हैं।

वसूली का खेल?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अतिक्रमण के पीछे केवल दुकानदार ही नहीं, बल्कि सिस्टम की मिलीभगत भी है। सूत्र बताते हैं कि फुटपाथों और सड़कों पर कब्जे के बदले रोज़ाना 100 से 150 रुपये तक की वसूली होती है, जबकि मासिक वसूली अलग से चलती है। यदि यह सच है तो यह सीधा-सीधा प्रशासनिक भ्रष्टाचार का मामला है।

जनता का सवाल—कब जागेगा प्रशासन?

शहरवासियों का कहना है कि यदि प्रशासन ईमानदारी से नियमित अभियान चलाए तो कुछ ही दिनों में हालात सुधर सकते हैं। लेकिन अभी तक की कार्रवाई सिर्फ दिखावा साबित हो रही है। सवाल सीधा है—क्या घंटाघर यूं ही अतिक्रमण और जाम में दम तोड़ता रहेगा, या प्रशासन सच में कोई सख्त कदम उठाएगा?

⇨ घंटाघर अब अव्यवस्था, अतिक्रमण और जाम का सबसे बड़ा प्रतीक बन चुका है

घंटाघर क्षेत्र में हालात इतने खराब हैं कि सड़क पार करना किसी जंग से कम नहीं। हर समय जाम, हॉर्न का शोर और अव्यवस्थित ट्रैफिक आम हो चुका है। ई-रिक्शा और ऑटो चालकों की मनमानी पार्किंग ने स्थिति को और भयावह बना दिया है।

न्यू कानपुर सिटी क्षेत्र में अवैध निर्माण पर केडीए का सख्त एक्शन

2 परिसरों पर सीलिंग, न्यू कानपुर सिटी क्षेत्र में अवैध निर्माण पर कार्रवाई

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने शहर में अवैध निर्माण और बिना स्वीकृति प्लाटिंग के खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए शुक्रवार को दो स्थानों पर सीलिंग की कार्रवाई की। वहीं दूसरी ओर न्यू कानपुर सिटी योजना को गति देते हुए 18 काश्तकारों से भूमि क्रय कर उन्हें 4.46 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान भी किया गया। उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल और सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-1बी की टीम ने विशेष

कार्याधिकारी/उपजिलाधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की.

प्राधिकरण की टीम ने सिंहपुर बाजार रोड स्थित ग्राम गम्भीरपुर कछार में लगभग 1500 वर्ग मीटर क्षेत्र में हो रही अवैध प्लाटिंग को चिन्हित किया। बिना मानचित्र स्वीकृति के करीब 1000 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित की जा रही प्लाटिंग को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।इसके अलावा न्यू कानपुर सिटी योजना क्षेत्र में आराजी संख्या-812 पर लगभग 100 वर्ग मीटर में हो रहे अवैध निर्माण को भी सील किया गया। प्राधिकरण के अनुसार संबंधित निर्माणकर्ता को पहले ही नोटिस जारी किया गया था, बावजूद इसके चोरी-छिपे निर्माण कार्य जारी रखा गया, जिस पर कड़ी कार्रवाई की गई।दोनों सील परिसरों को थाना बिठूर पुलिस की निगरानी में सौंप दिया गया है।

सील तोड़ने पर एफआईआर की तैयारी

केडीए ने सख्त रुख अपनाते हुए पूर्व में सील की गई आराजी संख्या-370 (सिंहपुर कछार) पर सील तोड़कर निर्माण करने के मामले में संबंधित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की तैयारी शुरू कर दी है।

न्यू कानपुर सिटी के लिए 0.6491 हेक्टेयर भूमि क्रय

विकास कार्यों को गति देते हुए केडीए ने न्यू कानपुर सिटी योजना के तहत 18 काश्तकारों से कुल 0.6491 हेक्टेयर भूमि खरीदी। किसानों को सर्किल दर के चार गुना मूल्य पर कुल 4,46,54,791 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट वितरित किया गया।भूमि देने वाले किसानों ने प्रक्रिया को और सरल बताते हुए केडीए अधिकारियों की सराहना की।

लगातार चलेगा अभियान

विशेष कार्याधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह ने निर्माणकर्ताओं से अपील की कि वे प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराकर ही निर्माण कार्य करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पति से परेशान 80 साल की महिला ने लगाई डीएम से गुहार

कहा कि साहब ! शादी के 60 साल हो गए, पति करता है अभद्रता, इंसाफ दिलाइए

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कुछ दिनों पहले एक फिल्म आई 'जब खुली किताब', फिल्म में पंकज कपूर की पत्नी डिम्पल कपाड़िया थी जो कि कोमा में थी, अचानक कोमा से उठने के बाद दोनों में कुछ विवाद होता है और नौबत तलाक तक पहुंच जाती है। दरअसल यह दो लाइन इसलिए लिख रहा हूं कि कलेक्ट्रेट में डीएम के सामने एक ऐसा मामला आया जिसमें बर्रा दो की रहने वाली राजारानी (85) साल ने अपने 88 साल के पति शिवराम कुरील पर बेवफाई और मारपीट का आरोप लगाया। पत्नी ने डीएम से इंसाफ की गुहार लगाई कि पति उसे कुछ भी गुजाराभत्ता नहीं देता है। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने डीपीओ को शिकायत निस्तारण का आदेश दिया। डीपीओ विकास सिंह ने बताया कि मौके पर जाकर दोनों पक्षों को बैठाकर बातचीत करायी गई। शिवराम ने राजारानी के रखे कुछ डाक्यूमेंट वापस कर दिए हैं। दोनों में समझौता करा दिया गया है।

कलेक्ट्रेट में डीएम की जनता सुनवाई में बर्रा 2 के रहने वाली 85 साल की राजरानी ने बताया कि साठ साल पहले उनकी शादी शिवराम से हुई थी। उनके दो बेटे और तीन बेटियां हैं जिनका विवाह हो गया है। शिवराम रक्षा मंत्रालय से रिटायर और उनकी पेंशन करीब चालीस हजार रूपये। राजरानी ने बताया कि उम्र के इस पडाव में शिवराम उनका ख्याल नहीं रखते, न ही दवा इलाज की व्यवस्था करायी जाती है। आए दिन उनके साथ अभद्रता की जाती है। कुछ कहने पर लडाई करने लगते हैं। राजरानी ने डीएम को बताया कि घर के पास ही एक मेडिकल स्टोर के मालिक के बहकावे में यह सब करता है। पूरे प्रकरण को सुनने के बाद डीएम ने शिकायत डीपीओ को निस्तारित करने को भेजी।

डीपीओ ने बताया कि शिकायत पर बर्रा दो स्थित निवास जाकर शिवराम से बात की गई, शिवराम वृद्धास्था के चलते कुछ बदमिजाज हो गए हैं। इसके चलते घर में विवाद में होते रहते हैं। शिवराम से बात कर उनको सहजता से बताया कि ऐसा न करें। राजरानी के कुछ डॉक्यूमेंट वापस दिलाए गए हैं। दोनों पक्षों ने आपस में बात कर साथ रहने में सहमति जताई है।

सुबह 6 बजे सड़कों पर उतरे नगर आयुक्त, सफाई व्यवस्था की खुली पोल

» फोन न उठाने पर नोटिस, कूड़ा जलाने पर वेतन कटा—बरसात से पहले नाला कार्य पूरा करने का सख्त निर्देश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर की सफाई व्यवस्था और कूड़ा प्रबंधन को लेकर किए जा रहे दावों की हकीकत शनिवार सुबह उस समय सामने आ गई, जब नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने प्रातः 6 बजे मोतीझील से लेकर यशोदा नगर तक विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई खामियां उजागर हुईं, जिस पर नगर आयुक्त ने मौके पर ही जिम्मेदार अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

सबसे पहले कृष्णा नगर वार्ड में घर-घर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था की जांच की गई। यहां अधिकारियों द्वारा टोल-फ्री नंबर के माध्यम से शिकायत निस्तारण का दावा किया गया, लेकिन मौके पर कॉल करने पर फोन रिसीव नहीं हुआ। इस लापरवाही पर नगर आयुक्त ने संबंधित एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासियों ने भी सफाई व्यवस्था की हकीकत बयां की। न्यू डिफेंस कॉलोनी के एक निवासी ने बताया कि क्षेत्र में नियमित सफाई नहीं हो रही और स्ट्रीट लाइट भी कई दिनों से खराब है। इस पर नगर आयुक्त ने तत्काल प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने और नियमित सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

शहर के कई स्थानों पर निर्माण मलबा (सीएंडडी वेस्ट) खुलेआम पड़ा मिला। किदवई नगर समेत अन्य क्षेत्रों में फैली इस अव्यवस्था पर नगर आयुक्त ने जोनल अभियंता को फटकार लगाते हुए तत्काल मलबा हटाने और संबंधित से यूजर चार्ज वसूलने के निर्देश दिए।

वार्ड-66 के निरीक्षण के दौरान यशोदा नगर स्थित सीओडी नाले पर अधूरा पड़ा रिटेनिंग वॉल का कार्य भी सवालों के घेरे में आया। पार्षद द्वारा बरसात में जलभराव की आशंका जताने पर नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि कार्य को शीघ्र शुरू कर बरसात से पहले हर हाल में पूरा किया जाए।

महेश्वर पार्क की स्थिति का जायजा लेते हुए नगर आयुक्त ने पार्क में घास, प्रकाश व्यवस्था, नई बेंच और खेल सुविधाओं को विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही नियमित सफाई के लिए माली की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा।

नगर निगम मुख्यालय स्थित आईजीआरएस कार्यालय के निरीक्षण में भी शिकायतों के निस्तारण को लेकर सख्ती दिखाई गई। नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि हर शिकायत का उसी दिन समाधान किया जाए और शिकायतकर्ता को संतुष्ट करना अनिवार्य होगा।

ईद पर्व को ध्यान में रखते हुए बेनाझाबर स्थित बड़ी ईदगाह का निरीक्षण कर सफाई और प्रकाश व्यवस्था का जायजा लिया गया। संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए।

इस दौरान शनिदेव मंदिर और देहली सुजानपुर मार्ग पर कूड़ा जलता मिला, जिस पर नगर आयुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए सफाई पर्यवेक्षक को नोटिस जारी किया और संबंधित कर्मचारी का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि भविष्य में कहीं भी कूड़ा जलाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त की सख्ती से साफ संकेत मिल गया है कि अब लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हालांकि बड़ा सवाल यही है कि क्या यह कार्रवाई जमीनी स्तर पर स्थायी सुधार ला पाएगी या फिर हालात जल्द ही पुराने ढर्रे पर लौट जाएंगे।

सम्पादकीय

बंद हो मैला सफाई की अमानवीय प्रथा

सदियों की लाचारी और समाज की संवेदनहीनता के चलते हाथ से सीवर की सफाई की अमानवीय प्रथा बदस्तूर जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि मजबूर सफाई कर्मियों की मौत का सबब भी बनी हुई है। निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है। हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं। केंद्र सरकार की ओर बीते सप्ताह लोकसभा में बताया गया कि साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है। कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं और सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है। ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा-दफा करने का प्रयास करते हैं। कुछ चतुर-चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी-मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं। ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो। क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? निस्संदेह, लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े घोर लापरवाही को ही उजागर करते हैं। विडंबना यह भी है कि जहां करीब 539 परिवारों को पूरा मुआवजा मिला है, वहीं करीब 52 परिवारों को कोई पैसा नहीं मिला। निर्विवाद रूप से किसी मृत सफाई कर्मी के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कोई दान नहीं है, बल्कि समाज का एक कानूनी और नैतिक दायित्व भी है। जब इस जरूरी सहायता में कोई कमी रह जाती है तो हमारी व्यवस्थागत उदासीनता ही उजागर होती है।निस्संदेह, यह कष्टकारी स्थिति साल 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर सवालिया निशान लगाती है। वहीं सरकारी दावा है कि मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में देशभर के किसी भी जिले में हाथ से मैला साफ करने वाले सफाईकर्मी नहीं पाए गए हैं। सवाल ये है कि जब हाथ से सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी देश में नहीं हैं तो सीवर व सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के चपेट में आकर लोगों के मरने की खबरें कैसे आ रही हैं? यह दुखद ही है कि बीते मंगलवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एक प्रमुख अस्पताल में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन सफाई कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। सीवर-सेप्टिक टैंक की सफाई में मशीन के उपयोग को बढ़ावा देकर मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के उद्देश्य से ही सरकार द्वारा साल 2023-24 में शुरू की गई राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकीय तंत्र यानी नमस्ते परियोजना को अभी भी लंबा रास्ता तय करना है। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने पिछले दिनों स्वीकार किया था कि मशीनीकरण के कारण दक्षता या सफाई व्यवस्था में सुधार के जरूरी संकेतक अभी तक पहचान में नहीं आए हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को पिछले वर्ष वेतन का भुगतान न होने, सुरक्षा उपकरणों की कमी और जाति आधारित भेदभाव को लेकर करीब 842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या की जड़ें बहुत गहरे रूप में विद्यमान हैं। हालांकि सरकारी दावा है कि सफाई का काम व्यवसाय पर आधारित है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सदियों से हाशिये पर पड़े समुदायों के श्रमिकों के बूते ही सफाई व्यवस्था चलायी जा रही है। निस्संदेह, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का दावा करने वाले समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी नागरिक को अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिये बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। श्रम की गरिमा के सवाल का जबाव महज एक नारे से हासिल नहीं किया जा सकता। इसे एक जमीनी हकीकत बनाना होगा।

पानी से जुड़ा लैंगिक समानता का मुद्दा

निरंजन चंद्र वर्मा

पानी और समानता को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। जहां पानी सुरक्षित, सुलभ और समान रूप से उपलब्ध होगा, वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय मजबूत होंगे। जल दिवस याद दिलाता है कि जल संकट का समाधान तभी टिकाऊ होगा, जब उसमें महिलाओं और पुरुषों दोनों की समान भागीदारी होगी।पानी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं है, बल्कि मानव सभ्यता की रीढ़ भी है। खेती, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जीवन, सब कुछ पानी पर निर्भर है। इसके बावजूद आज दुनिया गंभीर जल संकट का सामना कर रही है। यह संकट केवल पानी की कमी का नहीं, बल्कि उसके असमान वितरण, प्रबंधन की विफलता और सामाजिक असंतुलन का भी है। इसी बारे में चेतना जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाता है।

विश्व जल दिवस की शुरुआत 1993 में हुई थी, जब महसूस किया गया कि पानी से जुड़ी समस्याओं को केवल तकनीकी या स्थानीय मुद्दा मानकर नहीं सुलझाया जा सकता। यह एक वैश्विक चुनौती है, जिसका समाधान सामूहिक जिम्मेदारी से संभव है। हर वर्ष एक विशेष विषय चुनकर पानी के किसी एक पहलू पर फोकस किया जाता है, ताकि नीति निर्धारकों व नागरिकों को स्पष्ट दिशा मिल सके। वर्ष 2026 के लिए विश्व जल दिवस की थीम है पानी और लैंगिक समानता। इसका संदेश है जहां पानी बहता है, वहां समानता बढ़ती है। जल संकट का प्रभाव सभी पर समान नहीं पड़ता। समाज के कुछ वर्ग खासकर महिलाएं व लड़कियां, पानी की कमी और खराब जल प्रबंधन से अधिक प्रभावित होती हैं।

दुनिया के अनेक हिस्सों में घर के लिए पानी लाने की जिम्मेदारी महिलाओं पर होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में दूर-दूर से पानी लाना सामान्य बात है। इस प्रक्रिया में उनका समय, ऊर्जा और स्वास्थ्य तीनों प्रभावित होते हैं। जब कोई लड़की रोज कई घंटे पानी लाने में लगाती है, तो उसका स्कूल जाना बाधित होता है। जब कोई महिला भारी बर्तन उठाकर लंबी दूरी तय करती है, तो उसका स्वास्थ्य कमजोर होता है।

यहां प्रश्न केवल पानी उपलब्ध होने या न होने का नहीं है, बल्कि यह है कि पानी की कमी किसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। आंकड़े बताते हैं कि पेयजल की सुविधाओं की कमी का सबसे अधिक बोझ महिलाओं पर पड़ता है। विश्व जल दिवस 2026 की थीम जोर देती है कि पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए महिलाओं को जल प्रबंधन, योजना निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना जरूरी है। अनुभव बताता है कि जहां स्थानीय जल समितियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी, वहां जल स्रोतों का रखरखाव बेहतर हुआ और जल उपयोग अधिक जिम्मेदारी से किया गया।भारत जैसे देश में यह विषय और अधिक प्रासंगिक है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, वहीं यहां क्षेत्रीय जल असमानता बहुत गहरी है। कहीं बाढ़ की समस्या, तो कहीं सूखा। दोनों ही स्थितियों में महिलाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने भारत में हर घर नल से जल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे कई क्षेत्रों में महिलाओं का समय बचा है, जिसे वे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में लगा पा रही हैं। इससे स्पष्ट है कि जब पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होती है, तो समानता की दिशा में भी ठोस प्रगति होती है।

पानी को यदि केवल संसाधन मानकर देखा जाएगा, तो समाधान भी सीमित रहेंगे। लेकिन जब पानी को मानव अधिकार और सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण से देखा जाता है, तब नीतियां अधिक समावेशी बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र ने सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता को मानव अधिकार के रूप में मान्यता दी है। यानी समाज में पानी की उपलब्धता केवल सुविधा नहीं, बल्कि अधिकार है, और इस अधिकार से किसी भी वर्ग को वंचित नहीं किया जा सकता।लैंगिक समानता के बारे में जरूरी है कि जल क्षेत्र में महिलाओं को नेतृत्व के मौके मिलें। इंजीनियरिंग, योजना निर्माण, प्रशासन और निगरानी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से जल प्रबंधन अधिक संवेदनशील व व्यावहारिक बनेगा। महिलाएं जल संकट को केवल आंकड़ों के रूप में नहीं, बल्कि रोजमर्रा जीवन के अनुभव के रूप में समझती हैं। यही अनुभव नीतियों को जमीन से जोड़ता है।विश्व जल दिवस 2026 सोचने पर मजबूर करता है कि जल संकट का हल केवल पाइपलाइन, टंकी या परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए सामाजिक सोच में बदलाव जरूरी है। जब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा कि पानी की कमी असमानता पैदा करती है, तब तक समाधान अधूरा रहेगा।

इच्छामृत्यु की अनुमति के बावजूद बाकी सवाल

इच्छामृत्यु

इच्छामृत्यु के विरोध में जो तर्क है, उसके अनुसार जीवन ईश्वर का दिया हुआ है, उसमें मानवीय हस्तक्षेप गलत है। इच्छामृत्यु के अधिकार का दुरुपयोग होने का खतरा भी है। डॉक्टर 'किलर' बन जाएंगे। कोमा में पड़े लोगों को व्यर्थ समझ लिया जाएगा।ग़ाज़ियाबाद के 32 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर परोक्ष इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) के लिए एम्स दिल्ली के पैलिएटिव केयर विभाग में शिफ्ट कर दिया गया है। इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को पूरा होने में कई सप्ताह लग सकते हैं

पैलिएटिव केयर में ऐसी चिकित्सा देखभाल होती है, जिसका उद्देश्य गंभीर या असाध्य बीमारी से पीड़ित मरीज को आराम देना और बीमारी को पूरी तरह ठीक करने के बजाय मरीज के दर्द, सांस लेने में तकलीफ, घबराहट, बेचैनी या अन्य शारीरिक-मानसिक परेशानियों को कम करने पर ध्यान दिया जाता है। सक्रिय इच्छामृत्यु मृत्यु का एक नया कारण उत्पन्न करती है; निष्क्रिय इच्छामृत्यु पहले से ही चल रही प्राकृतिक मृत्यु में बाधा को दूर करती है। एक मृत्यु का कारण बनती है; दूसरी मृत्यु को स्वाभाविक रूप से होने देती है। एक्टिव इच्छामृत्यु यानी दवा या किसी दूसरे तरीके से मौत देना पूरी तरह अवैध है।

प्रश्न है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत 'जीने के अधिकार' में 'गरिमापूर्ण मरने का अधिकार' शामिल है या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने हां कहा है, लेकिन सीमित परिस्थितियों में। हरीश राणा केस के फैसले के बाद भी, यह बहस अभी अपूर्ण है। इच्छामृत्यु के विरोध में जो तर्क है, उसके अनुसार जीवन ईश्वर का दिया हुआ है, उसमें मानवीय हस्तक्षेप गलत है। इच्छामृत्यु के अधिकार का दुरुपयोग होने का खतरा भी है। डॉक्टर 'किलर' बन जाएंगे। कोमा में पड़े लोगों को व्यर्थ समझ लिया जाएगा। कैथलिक चर्च, कई हिंदू संगठन और इस्लामी विद्वान इसे जीवन के खिलाफ मानते हैं।

यदि इसे लागू भी किया जाए, तो देश में अच्छी पैलिएटिव केयर बहुत कम है, इसलिए कई लोग इच्छामृत्यु को 'आखिरी विकल्प' मानते हैं। इस समय बहस का केंद्र बिंदु यही है कि पैसिव इच्छामृत्यु को और सुगम बनाया जाए या नहीं, जबकि एक्टिव इच्छामृत्यु को वैध करने की मांग अभी बहुत कमजोर है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि केवल असंभव रिकवरी वाले केस में, सख्त मेडिकल बोर्ड और न्यायिक देखरेख के साथ ही इसकी अनुमति देने पर विचार संभव है। बहुत से विशेषज्ञ मानते हैं कि असली समाधान बेहतर पैलिएटिव केयर की व्यवस्था को मजबूत करने में है, न कि जल्दबाजी में एक्टिव इच्छामृत्यु को वैध करने में।वर्ष 2013 में चंडीगढ़ में एक हादसे में चौथी मंजिल से गिरने के बाद से हरीश अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े हुए हैं, और लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गत 11 मार्च को उनके मामले में, पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति देकर भारत में पहली बार इस अधिकार के व्यावहारिक इस्तेमाल की अनुमति दी है। अदालत ने 2018 में इसे संवैधानिक अधिकार मान लिया था।

2025 में उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले पर पुनर्विचार किया और यह निर्णय सुनाया। यह मामला 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थापित और 2023 में सरलीकृत कानूनी ढांचे और इन दिशानिर्देशों को लागू करने में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को उजागर करता है।विशेषज्ञ सक्रिय और निष्क्रिय इच्छामृत्यु के बीच अंतर पर और भारत में मजबूत देखभाल अवसंरचना की आवश्यकता पर भी चर्चा करते हैं। जटिल समस्या यह नहीं है कि कानून किस बात की अनुमति देता है, बल्कि यह है कि रोगी, जब स्वयं बोलने में असमर्थ हो, तो कौन और किस आधार पर निर्णय कर सकता है। स्वस्थ दिमाग वाला वयस्क किसी भी चिकित्सा उपचार को अस्वीकार कर सकता है, और चिकित्सक को उस अस्वीकृति का सम्मान करना होता है। ज्यादा मुश्किल मामला अनैच्छिक मृत्यु का है। ऐसा रोगी जो स्थायी रूप से कोमा में है, जिसका अस्तित्व पूरी तरह से चिकित्सा तकनीक पर निर्भर है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की दो-न्यायाधीशों की पीठ के इस फैसले को पूरी तरह से समझने के लिए, 2011 में अरुणा शानबाग के मामले से लेकर 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ मामले में संवैधानिक फैसले तक की कड़ी को जोड़ना आवश्यक है। अरुणा रामचंद्र शानबाग मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल में नर्स थीं, जिनका 27 नवंबर, 1973 की रात को एक वार्ड अटेंडेंट ने गला घोंट दिया था।

गला घुटने से उनके मस्तिष्क में ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक गई थी। लगभग 42 वर्षों तक वे उसी अस्पताल में अचेत अवस्था में रहीं और 2015 में उनकी स्वाभाविक मृत्यु हो गई।2011 में, सर्वोच्च न्यायालय में उनकी जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने के लिए याचिका दायर की गई थी। दो न्यायाधीशों की पीठ ने अपने फैसले में याचिका खारिज कर दी, लेकिन भारतीय कानून में पहली बार परोक्ष इच्छामृत्यु के लिए दिशानिर्देश निर्धारित किए। अदालत ने दयामृत्यु को अस्वीकार करने के पीछे सबसे बड़ा कारण यह बताया कि मुंबई के केईएम अस्पताल की नर्सें और अन्य कर्मचारी अरुणा को मरने देना नहीं चाहते।

बिल्हौर में अकीदत और उल्लास के साथ मनाई गई ईद

शहर काजी ने दिया भाईचारे और इंसानियत का पैगाम

स्वराज इंडिया ब्यूरो

- ईदगाह में उमड़ा जनसैलाब, सैकड़ों ने अदा की नमाज
- प्रशासन रहा मुस्तैद, गले मिलकर दी मुबारकबाद

बिल्हौर/कानपुर। कस्बे में ईद का त्योहार इस बार पूरे अकीदत, उल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। ईदगाह में सुबह से ही नमाजियों का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जहां हजारों लोगों ने एक साथ ईद की नमाज अदा कर मुल्क में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी।

शहर काजी मौलाना अनीसुर्रहमान ने नमाज अदा कराई। उन्होंने अपने खुत्बे में इंसानियत, भाईचारे और एकता का पैगाम देते हुए समाज में आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की। नमाज के बाद ईदगाह का माहौल बेहद खुशनुमा हो गया। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद मुबारक दी और भाईचारे की मिसाल पेश की। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला, वहीं बाजारों में भी दिनभर रौनक बनी रही। कस्बे की शाही मस्जिद, गुलशन कादरिया, बिलाल मस्जिद और कटरा वाली मस्जिद समेत अन्य मस्जिदों में भी तय समय पर नमाज अदा की गई।

त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। ईदगाह समेत प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। एसडीएम संजीव दीक्षित, तहसीलदार अनुभव चंद्र, एसीपी मंजय सिंह, इंस्पेक्टर सुधीर कुमार, कस्बा प्रभारी कपिल सिंह और दीवान राजीव समेत भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। अधिकारियों ने नमाज के बाद लोगों को ईद की बधाई दी और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष इकलाख खान ने अधिकारियों को बुके देकर ईद की मुबारकबाद दी। उधर मकनपुर में भी ईदगाह पर सज्जादा नसीन नूरुल अराफ़ात मदारी ने नमाज अदा कराई, जहां सैकड़ों लोगों ने नमाज अदा की। इस दौरान अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन यादव और मकनपुर चौकी इंचार्ज समेत पुलिस बल तैनात रहा।

नेताओं ने भी बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

ईद के मौके पर स्थानीय नेताओं की सक्रिय मौजूदगी भी देखने को मिली। ईदगाह पहुंचकर समाजवादी पार्टी से बिल्हौर विधानसभा सीट के दावेदार विनय कोरी और रचना सिंह गौतम अपने-अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए और लोगों को ईद की मुबारकबाद दी। वहीं पूर्व चेयरमैन पद प्रत्याशी आशीष यादव उर्फ चटरू ने भी मौके पर पहुंचकर लोगों से मुलाकात की और बधाई दी। इस दौरान राहुल, पंकज यादव, नगर अध्यक्ष अरशद सिद्दीकी ,कामरान खान समेत कई सपाई मौजूद रहे और सभी ने आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

दिनभर चला मुबारकबाद का दौर

ईद के अवसर पर कस्बे में दिनभर लोगों का एक-दूसरे के घर आने-जाने का सिलसिला जारी रहा। रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों से मुलाकात कर लोगों ने गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान घरों में मेहमान नवाजी का दौर चला और आपसी सौहार्द का माहौल देखने को मिला।

शादी से पहले घर से गायब दुल्हन साथ ले गई लाखों की नगदी-गहने

स्वराज इंडिया ब्यूरो

- गांव के युवक पर बहलाने का आरोप, पांच पर मुकदमा दर्ज

बिल्हौर(कानपुर)। उत्तरीपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव से 25 वर्षीय युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। युवती की शादी अप्रैल में तय थी और घर में तैयारियां चल रही थीं।

पीड़ित पिता के मुताबिक, 16 मार्च को गांव निवासी प्रियम उर्फ कशिश उनकी बेटी को अपने साथ ले गया। आरोप है कि युवती घर से जाते समय करीब दो लाख रुपये नकद और गहने भी साथ ले गई। पिता का यह भी कहना है कि जब वह शिकायत लेकर आरोपी के घर पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ अभद्रता की और मारपीट कर भगा दिया। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि युवती की तलाश की जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लायर्स एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर तहसील सभागार में लायर्स एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के सदस्य एडवोकेट अंकज मिश्रा ने सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।मुख्य अतिथि अंकज मिश्रा, एसडीएम डॉ. संजीव कुमार दीक्षित और एसीपी मंजय सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। अधिवक्ताओं ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट किए।

शपथ लेने वालों में अध्यक्ष जनार्दन यादव, महामंत्री कुशल पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऋषिनारायण गुप्ता, कनिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, मंत्री अमरेश कुमार, कोषाध्यक्ष रीतेश गुप्ता, अंकेक्षक गौरव कुमार, संयुक्त मंत्री प्रकाशन रमाकांत राठौर, संयुक्त मंत्री प्रशासन अनिरुद्ध शुक्ला और संयुक्त मंत्री पुस्तकालय कामयाब हुसैन शामिल थे। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों में मनोज सक्सेना, नीरज राठौर, दीपक सिंह और दीपक जायसवाल तथा कनिष्ठ कार्यकारिणी में सूरज तिवारी, सुनील कुमार, विकास कुमार और अरविंद कुमार ने भी शपथ ली। अतिथियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा तथा न्यायिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी बनाए रखने का संदेश दिया।

ईदुल फितर पर मांगी दुआएं

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

फर्रूखाबाद । ईद उल फितर पर जनपद के ईदगाह और मस्जिदों में नवाज अदा की गई, इस दौरान देश में अमन चैन की दुआएं मांगी गई, नवाज अदा के दौरान सभी ईदगाह और मस्जिदों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही,ईद पर जनपद में कानून-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा नगर क्षेत्र के विभिन्न नमाज स्थलों का संयुक्त रूप से पैदल गस्त कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान अधिकारियों ने

सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं यातायात प्रबंधन का निरीक्षण किया। संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया गया।जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नमाज के दौरान एवं उसके बाद यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से रहे,किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न होने पाए। साथ ही साफ-सफाई एवं जनसुविधाओं पर विशेष ध्यान रखा गया। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सतर्क रहकर निरंतर भ्रमण करते रहे

आकाशीय बिजली से बारूद फैक्ट्री में विस्फोट, एक की मौत, तीन झुलसे

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

धमाके से दहला इलाका, घरों में दरारें और शीशे चकनाचूर, ऑरेंज अलर्ट के बीच राहत-बचाव तेज

झांसी। झांसी के बबीना क्षेत्र स्थित इंडो गल्फ एक्सप्लोसिव फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात आकाशीय बिजली गिरने से भीषण विस्फोट हो गया। धमाका इतना जबरदस्त था कि करीब एक किलोमीटर के दायरे में पूरा इलाका थर्रा उठा। आसपास के कई घरों में दरारें पड़ गईं, जबकि खिड़कियों के शीशे टूटकर दूर तक जा गिरे। अचानक हुए इस विस्फोट से इलाके में दहशत फैल गई और लोग घरों से बाहर निकल आए।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री परिसर में बिजली गिरने के बाद एक हिस्से में आग लग गई, जिसने देखते ही देखते बारूद को चपेट में ले लिया और जोरदार विस्फोट हुआ। हादसे में फैक्ट्री के ड्राइवर नवल यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र को घेरकर सील कर दिया गया है और बिजली आपूर्ति भी अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है, ताकि किसी अन्य विस्फोट या शॉर्ट सर्किट की आशंका को टाला जा सके। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जबकि राहत-बचाव कार्य देर रात तक जारी रहा।प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, हादसे के समय फैक्ट्री में नियमित उत्पादन कार्य नहीं चल रहा था, जिससे बड़े पैमाने पर जनहानि टल गई। हालांकि, विस्फोट की तीव्रता ने सुरक्षा मानकों और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फैक्ट्री प्रबंधन से भी सुरक्षा उपायों को लेकर जवाब-तलब किया जा रहा है।

उधर, मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अगले 48 घंटों तक लोगों को खुले स्थानों, पेड़ों और ऊंची संरचनाओं से दूर रहने की सलाह दी गई है। यह हादसा एक बार फिर संकेत देता है कि प्राकृतिक आपदाओं के साथ औद्योगिक सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कितना आवश्यक है, वरना छोटी सी चूक बड़े हादसे में बदल सकती है।

रिमझिम फुहारों में सजीं 156 नई जोड़िया सीएसए परिसर में गूंजे मंगल गीत

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत भव्य आयोजन, फेरे-निकाह संग सामाजिक समरसता की दिखी सुंदर मिसाल

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रिमझिम बारिश की हल्की फुहारों के बीच शुक्रवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) परिसर का स्टेडियम मैदान मंगल ध्वनियों और खुशियों से सराबोर हो उठा, जब 156 जोड़े पवित्र परिणय सूत्र में बंधकर नई जीवन यात्रा पर अग्रसर हुए। मौसम की बदली चाल भी इन नवदंपतियों के उल्लास को कम न कर सकी, बल्कि वातावरण में एक अलग ही पावन आभा घोलती रही।

सुबह से ही समारोह स्थल पर उत्सव का वातावरण था। एक ओर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए जा रहे थे, वहीं दूसरी ओर तीन मुस्लिम जोड़ों ने निकाह कबूल कर अपने नए जीवन की शुरुआत की। बैंड-बाजों की मधुर धुन, आशीर्वाद की वर्षा और परिजनों की नम आंखों के बीच हर पल भावनाओं से ओतप्रोत रहा।

समाज कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित इस भव्य समारोह में समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता देखने को मिली। कुल 156 जोड़ों में अनुसूचित जाति के 117, अन्य पिछड़ा वर्ग के 31, सामान्य वर्ग के 2 तथा अल्पसंख्यक वर्ग के 6 जोड़े शामिल रहे। विकासखंडवार भागीदारी में चौबेपुर से 46, शिवराजपुर से 35, नगर निगम क्षेत्र से 30, बिल्हौर से 21, सरसौल से 19, भीतरगांव से 4 तथा नगर पालिका शिवराजपुर से 1 जोड़ा शामिल हुआ।

बारिश को देखते हुए वाटरप्रूफ पांडाल में सभी वैवाहिक अनुष्ठान विधिवत संपन्न कराए गए। हालांकि बाहरी टेंट में कुछ स्थानों पर पानी टपकने की स्थिति बनी, जिससे कुछ परिजनों को मुख्य पांडाल में आना पड़ा, लेकिन आयोजन की समग्र व्यवस्था सुचारु बनी रही। कार्यक्रम में विधायक नीलिमा कटियार, सरोज कुरील, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन सहित कई जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रिमझिम बारिश, मंत्रों की पवित्र गूंज और अपनों के आशीर्वाद के बीच यह सामूहिक विवाह समारोह न केवल 156 परिवारों के लिए नई शुरुआत बना, बल्कि सामाजिक समरसता और सहयोग का प्रेरक संदेश भी दे गया।

व्यवस्था में दिखी संवेदनशीलता

एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने आयोजन के दौरान वितरित की जा रही सामग्री का निरीक्षण किया। कुछ स्टॉलों पर कमी पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई, जिसके बाद संबंधित अधिकारियों ने तत्काल सुधार करते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया।

सम्मान और सुव्यवस्था का बना आदर्श

हर जोड़े का बायोमेट्रिक सत्यापन कर सुव्यवस्थित प्रवेश सुनिश्चित किया गया। ब्लॉकवार स्टॉलों की व्यवस्था से भीड़भाड़ नहीं हुई और विवाह के उपरांत टोकन प्रणाली के माध्यम से उपहार वितरित किए गए। योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को एक लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई, जिसमें 50 हजार रुपये नकद, 35 हजार रुपये के उपहार तथा 15 हजार रुपये भोजन व्यवस्था पर व्यय किए गए।

पैक भोजन से बनी सहजता

मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन की पहल पर भोजन व्यवस्था को विशेष रूप से व्यवस्थित किया गया। प्रत्येक जोड़े को पनीर, छोला, पूड़ी, चावल और रसगुल्ले सहित लगभग 22 पैकेट प्रदान किए गए, जिससे किसी को भी भोजन के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। इस नवाचार से पूरे आयोजन में अनुशासन और संतोष का वातावरण बना रहा।

बढ़ी ठिठुरन

मार्च में मौसम ने ली करवट, कोहरे और सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

फसलों पर मंडराए संकट के बादल

किसानों के चेहरे पर दिखीं चिंता की लकीरें

दूसरे दिन भी छाया घना कोहरा, जनजीवन प्रभावित

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। मार्च के अंतिम दिनों में मौसम ने अचानक करवट बदल ली है। लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी पूरे क्षेत्र में घना कोहरा छाया रहा, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। सुबह के समय दृश्यता बेहद कम रहने के कारण वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से सफर करना पड़ा। कोहरे के साथ चल रही सर्द हवाओं ने ठिठुरन को और बढ़ा दिया, जिससे लोगों को एक बार फिर कड़ाके की ठंड का एहसास हुआ।

सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही और हल्की बूंदाबांदी ने मौसम को और अधिक सर्द बना दिया। हालात ऐसे हो गए कि जिन लोगों ने गर्म कपड़े समेटकर रख दिए थे, उन्हें दोबारा निकालना पड़ा। रसूलाबाद में बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोग ऊनी वस्त्रों में नजर आए, जबकि चाय की दुकानों और ढाबों पर भीड़ बढ़ गई।

कोहरे से यातायात प्रभावित, जोखिम भरा सफर

घने कोहरे के चलते प्रमुख मार्गों पर यातायात की रफ्तार थम सी गई।

सुबह जरूरी कार्यों से निकलने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

वाहन चालकों ने सुरक्षा के लिए हेडलाइट और इंडिकेटर का सहारा लिया, वहीं कई स्थानों पर वाहन रेंगते हुए चलते दिखाई दिए। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण रही, जहां कम दृश्यता के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहा।

किसानों की बढ़ी चिंता, फसलों पर असर

मौसम के इस बदले मिजाज ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। इस समय क्षेत्र में सरसों की कटाई और आलू की खुदाई का कार्य चरम पर है। खेतों में कटी पड़ी सरसों की फसल पर नमी का असर दिखने लगा है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम ऐसा ही बना रहा, तो दानों के काले पड़ने और गुणवत्ता गिरने का खतरा बढ़ जाएगा, जिससे आर्थिक नुकसान हो सकता है।

जिन किसानों की सरसों अभी कटाई के लिए तैयार है, वे दुविधा में हैं। एक ओर तेज धूप निकलने पर फली फटने से दाने झड़ने का डर है, तो दूसरी ओर नमी और बारिश से फसल खराब होने की आशंका बनी हुई है।

आलू की खुदाई भी प्रभावित हो रही है। खेतों में बढ़ी नमी और गीली मिट्टी के कारण खुदाई कार्य धीमा पड़ गया है, जिससे आलू के सड़ने और भंडारण क्षमता घटने की आशंका बढ़ गई है।

गेहूं की फसल पर भी खतरा

इस समय गेहूं की फसल पककर तैयार होने की स्थिति में है। ऐसे में यदि तेज हवा या बारिश होती है, तो फसल गिर सकती है, जिससे उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा। किसान फसल को लेकर लगातार मौसम पर नजर बनाए हुए हैं और संभावित नुकसान को लेकर चिंतित हैं।

दिसंबर-जनवरी जैसा अहसास

मार्च के महीने में इस तरह की ठंड और कोहरा लोगों के लिए अप्रत्याशित है।

मौसम के इस बदले स्वरूप ने न सिर्फ जनजीवन को प्रभावित किया है,

बल्कि कृषि कार्यों पर भी असर डाला है। यदि आने वाले दिनों में यही स्थिति बनी रहती है, तो इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिल सकता है।

पिछड़ा वर्ग आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार आईं साध्वी निरंजन ज्योति

राजपुर में पुष्प वर्षा कर किया गया साध्वी का जोरदार स्वागत

» समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहने का लिया संकल्प

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर नगर पंचायत में साध्वी निरंजन ज्योति के आगमन पर भव्य स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पिछड़ा वर्ग आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका जनपद में पहला आगमन था, जिसे लेकर कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

नगर पंचायत राजपुर में चेयरमैन अंशू त्रिपाठी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने साध्वी निरंजन ज्योति का फूल-मालाओं और पुष्प वर्षा के साथ जोरदार स्वागत किया।

पूरे कार्यक्रम स्थल पर भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारों से माहौल गूंज उठा। इस अवसर पर चेयरमैन ने कहा कि साध्वी निरंजन ज्योति को पिछड़ा वर्ग आयोग का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाना न सिर्फ कानपुर देहात बल्कि पूरे देश के लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि यह पद उनकी कार्यशैली और समाज के प्रति समर्पण का परिणाम है।

अपने प्रथम आगमन पर साध्वी निरंजन ज्योति ने देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें मिली यह जिम्मेदारी समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहेगी। उन्होंने इसे जनपद वासियों के लिए भी गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि वह अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगी।

फूल-मालाओं से लाद दिया गया

कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने साध्वी निरंजन ज्योति पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया गया। स्वागत के दौरान भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष नीरज पांडेय, भाजपा नेता विजय सोनी, विकास दुबे, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजन मिश्रा, पंकज पाठक, शिवकांत मिश्रा, बलराम पाल (सभासद), कैलाश त्रिवेदी, वीरेंद्र आर्य, राहुल त्रिपाठी, जयराज मिश्रा, चुन्नी विश्नोई, अमरसिंह निषाद, दीपू निषाद, वीर बहादुर सिंह, नीरज कटियार, प्रभाशंकर शुक्ला और अनुराग शुक्ला सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से अहम दौरा

साध्वी निरंजन ज्योति का यह दौरा राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछड़ा वर्ग आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनके इस प्रथम आगमन ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया है। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया, जिससे पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया गया।

ईदुल फितर की नमाज में मुल्क के लिए दुआ

» आपसी भाईचारे का संदेश देता है ईद का पर्व- अब्दुल रऊफ बक़ाई

» रसूलाबाद की प्राचीन ईदगाह में हजारों लोग ने अदा की ईद की नमाज़

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र में ईद उल फितर का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। खुशनुमा माहौल में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईदगाह में नमाज अदा की और अपने मुल्क की तरक्की और अमन चैन के लिए एक साथ मिलकर दुआएं मांगी। रहमतों व बरकतों वाले मुकद्दस माह ए रमज़ान का महीना खत्म होने के बाद ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाता है। इसी क्रम में शनिवार को रसूलाबाद क्षेत्र में ईद उल फितर का पर्व शानो शौकत व खुलूस के साथ मनाया गया। जहां बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईदगाह में पहुंचकर ईद की नमाज अदा की। रसूलाबाद कस्बे में बेला मार्ग पर स्थित प्राचीन ईदगाह में रसूलाबाद कस्बा सहित आसपास ग्रामीण इलाकों से पहुंचे हजारों लोगों ने ईद की नमाज अदा की।

कस्बे में पेश इमाम हाजी अब्दुल रऊफ खान बकाई ने ईद की नमाज़ के दौरान खुत्बा सुनाया। इसके बाद हजारों की तादाद में पहुंचे लोगों को ईद उल फितर की नमाज अदा कराई। वहीं ईद की नमाज अदा कराने से पहले उन्होंने भाईचारे का पैगाम दिया। यह पर्व मोहब्बत का पैगाम देता है।

ईद को लेकर बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। ईदगाह के बाहर मेला जैसा माहौल रहा जहाँ बच्चों ने जमकर खरीदारी की। एक दूसरे को गले लगाकर अपने-अपने अंदाज में बधाई दी। इस बार ईद की नमाज में तादाद पहले से कहीं ज्यादा देखने को मिली।जहां एक ओर ईदगाह का पूरा कैंपस भर गया था तो वहीं ईदगाह को जाने वाले मुख्य मार्ग पर लोगों ने सफें बनाकर नमाज अदा की। ईद की नमाज अदा हो जाने के बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। उपजिलाधिकारी सर्वेश सिंह,पुलिस क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार,कोतवाल शिवनारायण सिंह, नायब तहसीलदार सुदर्शन

सिंह,लेखपाल राधेश्याम गौतम सहित अन्य अधिकारी ईदगाह के बाहर मौजूद रहे और लोगों को मिलकर बधाई दी। इस मौके पर प्रमुख रूप से हाफिज शाहिद चिश्ती, हाफिज साज़िद, हाजी महताब,सपा नेता महफूज खान,अकील अहमद पट्टा, हाजी फैजान खान, हाजी आफताब आलम मंसूरी, अतहर खान भुट्टो,मुबीन सिद्दीकी राजा, सभासद मो.मशरूफ नवाज़, फरहान मिनी, सोहेल अहमद, हाशिम खान, डॉ मु.मुस्तकीम, एहतिशाम खान भोलू,शिक्षक वसीम अहमद, अख्तर हुसैन, सिराज अहमद,सरताज अशरफ,आज़ाद अली, रहीस निजामी, आरिफ गफ्फरी, खुर्शीद आलम,एबाब खान, सारिक, आसिफ, शानू अहमद,इमरान नियाजी,सिराज अहमद,वारिस मंसूरी,मुस्ताक इदरीसी,शरीफ सिद्दीकी,मतीन,अय्यूब सिद्दीकी,कफील मंसूरी,ज़रीफ़ शाह,नसीम अहमद, अता वारिस, औसाफ़ अली,रिजवान खान,रज्जू पठान,फरीद सिद्दीकी , गोले,

दिलशाद खान,अरशद नवाब, रुखसार कुरैशी, शहबाज सिद्दीकी आदि रहे।

पानी लेने निकली युवती संदिग्ध हालात में लापता

» 4 दिन बाद भी नहीं लगा सुराग, पुलिस ने शुरू की तलाश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शिवली थाना क्षेत्र के ग्राम जसा पुरवा से एक 18 वर्षीय युवती के रहस्यमय तरीके से लापता होने का मामला सामने आया है। घटना के चार दिन बीत जाने के बावजूद युवती का कोई सुराग न लगने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में भी दहशत और तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवती की तलाश के लिए टीमें लगाई हैं। जानकारी के मुताबिक, गांव निवासी मीना ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 17 मार्च को उनकी 18 वर्षीय पुत्री घर के बाहर पानी लेने के लिए गई थी। उस समय परिवार के सदस्य घर में ही मौजूद थे। लेकिन काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने पहले आसपास के क्षेत्रों में तलाश शुरू की। खेत-खलिहान, पड़ोसी गांव और रिश्तेदारों के यहां भी खोजबीन की गई, लेकिन युवती का कहीं कोई पता नहीं चल सका। समय बीतने के साथ परिजनों की चिंता और बढ़ती गई। लगातार खोजबीन के बाद जब युवती का कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजन थाना शिवली पहुंचे और गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

थाना प्रभारी अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है और युवती की तलाश के लिए टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और हर संभावित पहलू—जैसे अपहरण, परिचितों की भूमिका या अन्य कारणों—पर गंभीरता से जांच कर रही है। घटना के बाद पूरे गांव में भय का माहौल है। परिजनों ने प्रशासन से जल्द से जल्द बेटी को सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई है।

पत्नी की हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार, बसूली से किया था वार

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से खुला सनसनीखेज मामला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना डेरापुर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पत्नी की निर्मम हत्या करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने घटना के कुछ ही समय बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को हत्या में प्रयुक्त हथियार के साथ दबोचकर न्यायालय में पेश कर दिया है।जानकारी के अनुसार थाना रूरा क्षेत्र के ग्राम भारापुरवा निवासी रवि कश्यप ने 19 मार्च 2026 को थाना डेरापुर में तहरीर देकर अपनी बहन मिथलेश की हत्या की सूचना दी। उन्होंने बताया कि 18/19 मार्च की रात उनकी बहन के पति रजत कश्यप ने सिर पर धारदार हथियार से वार कर उसकी हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना डेरापुर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस टीम ने तेजी दिखाते हुए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू किया।इसी दौरान मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी रजत कश्यप (32 वर्ष), निवासी ग्राम उरसान को डेरापुर-रसधान रोड स्थित उरसान मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय आरोपी भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी

के आगे उसकी एक न चली। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से हत्या में प्रयुक्त लोहे का बसूला बरामद किया, जिससे उसने अपनी पत्नी के सिर पर वार कर उसकी जान ले ली थी। पुलिस ने बरामद हथियार को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है। प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद को हत्या का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है।

एचपीवी टीकाकरण शुरू, 14 वर्ष की बालिकाओं को लगेगा टीका

डीएम ने जिला महिला चिकित्सालय अकबरपुर में फीता काटकर शुरुआत की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का शनिवार को शुभारंभ किया गया।

जिलाधिकारी कपिल सिंह ने जिला महिला चिकित्सालय, अकबरपुर में फीता काटकर कार्यक्रम की शुरुआत की और 14 वर्ष की बालिकाओं को वैक्सीन लगवाई।जिलाधिकारी कपिल सिंह ने बताया कि जनपद में एचपीवी वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि जिन बालिकाओं की उम्र 14 वर्ष पूरी हो चुकी है और 15 वर्ष से कम है, उन्हें प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच जिला महिला चिकित्सालय में टीकाकरण के लिए अवश्य लाएं। उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव का प्रभावी माध्यम है और समय पर टीकाकरण से इस गंभीर बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी

(वित्त एवं राजस्व) दुष्यंत मौर्य, मेडिकल कॉलेज अकबरपुर के प्रधानाचार्य डॉ. हरप्रीत सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बंदना सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.एल. वर्मा, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. आशीष बाजपेयी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। टीकाकरण सत्र में एएनएम संगीता और आशा कार्यकर्ता दीपा ने भी सहयोग किया।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव में कारगर

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार एचपीवी वायरस सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है। ऐसे में किशोरावस्था में लगाया गया यह टीका भविष्य में कैंसर के खतरे को कम करने में अहम भूमिका निभाता है।

अमृतपुर में 4.5 किमी सड़क निर्माण पर सवाल, मानकों के विपरीत काम का आरोप

ग्रामीणों की शिकायत पर प्रभारी मंत्री सख्त, डीएम को जांच और दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

फर्रुखाबाद। अमृतपुर तहसील क्षेत्र में बन रही लगभग साढ़े चार किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों ने ठेकेदार द्वारा मानकों के विपरीत निर्माण कराने का आरोप लगाते हुए प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह को शिकायत पत्र सौंपा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने जिलाधिकारी को जांच कराने तथा लोक निर्माण विभाग की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश के पर्यटन एवं जिले के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह

अमृतपुर मे बन रही सड़क

जानकारी के अनुसार, राजेपुर से गुडेरा होते हुए पिथनापुर कोला सोता संपर्क मार्ग पर बीते एक सप्ताह से सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। इस सड़क के निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की परत इतनी कमजोर है कि वह हाथ से ही उखड़ जा रही है। इसके अलावा सड़क की समतलीकरण (लेवलिंग) भी सही तरीके से नहीं की गई है, जिससे आवागमन में दिक्कतें हो रही हैं।

ग्रामीणों द्वारा बनाए गए वीडियो में डामर और गिट्टियों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होते दिख रहे हैं। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि सड़क की ऊपरी परत आसानी से निकल रही है। गुरुवार को रिकॉर्ड किया गया यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण में पर्याप्त मात्रा में डामर का उपयोग नहीं किया गया और मात्र गिट्टियां मिलाकर पतली परत बिछा दी गई है, जो सरकारी धन के दुरुपयोग का स्पष्ट उदाहरण है। स्थानीय निवासी शिवमंगल सिंह ने भी सड़क की गुणवत्ता और समतलीकरण को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि यदि अभी से सड़क की यह स्थिति है, तो बरसात के मौसम में इसकी हालत और खराब हो जाएगी।

मामले के सामने आने के बाद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। खंडीय अधिशासी अभियंता अशोक कुमार ने बताया कि जांच के लिए जूनियर इंजीनियर अंकित कुमार और सहायक अभियंता राकेश यादव को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने तकनीकी पक्ष रखते हुए कहा कि इस सड़क में 'कुटाई परत' का प्रावधान नहीं होता और मानकों के अनुसार केवल दो सेंटीमीटर की प्रीमिक्स कारपेट (पीसी) बिछाई जाती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सड़क नई होने के कारण हाथ लगाने पर परत हट सकती है। हालांकि, विभागीय सफाई के बावजूद ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है। शिकायत के बाद भी अभी तक किसी ठोस कार्रवाई के न होने से लोगों में नाराजगी है। अब सभी की नजरें जिला प्रशासन की जांच रिपोर्ट और आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग

साइबर क्राइम जागरूकता पर एडवोकेट गौरव उपाध्याय का सम्मान, छात्रों को दिए गुर

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच युवाओं को जागरूक करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल सामने आई है। डॉ. राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय से संबद्ध केएनआई इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ में आयोजित कार्यक्रम में साइबर क्राइम के लीगल एक्सपर्ट एडवोकेट गौरव उपाध्याय को सम्मानित किया गया।

संस्थान ने अपने पूर्व छात्र रहे एडवोकेट गौरव उपाध्याय को विशेष रूप से आमंत्रित किया, जहां उन्होंने एलएलबी 3 वर्षीय और 5 वर्षीय पाठ्यक्रम के सैकड़ों छात्रों को साइबर अपराध से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने अपने देश-विदेश के हाई-प्रोफाइल मामलों के अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार साइबर अपराध तेजी से बदलते स्वरूप में सामने आ रहे हैं और उनसे बचाव के लिए जागरूक रहना बेहद जरूरी है।कार्यक्रम के दौरान उन्होंने छात्रों को ऑनलाइन फ्रॉड, डेटा चोरी, सोशल मीडिया दुरुपयोग और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े व्यावहारिक उपाय भी बताए। छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य शक्ति सिंह, विधि विभागाध्यक्ष प्रभात शुक्ल और वरिष्ठ अध्यापक शिव बहादुर तिवारी सहित अन्य शिक्षकों ने एडवोकेट गौरव उपाध्याय को मोमेंटो और शॉल भेंट कर सम्मानित किया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि एडवोकेट गौरव उपाध्याय आज साइबर क्राइम के क्षेत्र में एक मजबूत पहचान बना चुके हैं और देश-विदेश के कई मामलों को सफलतापूर्वक हैंडल कर चुके हैं। यह कार्यक्रम न केवल छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक साबित हुआ, बल्कि उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के लिए भी प्रेरित कर गया।

डांस न छोड़ने पर गुस्साए पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

सुलह करने के बहाने बुलाया, सुनसान रास्ते पर वारदात को दिया अंजाम, आरोपी गिरफ्तार

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

उन्नाव। उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है, जहां पति ने अपनी डांसर पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोप है कि पत्नी के डांस कार्यक्रमों में जाने को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था।

जानकारी के मुताबिक, रूपऊ गांव निवासी बालकिशन की शादी करीब दो साल पहले सरैया गांव की रहने वाली माधुरी से हुई थी। शादी के बाद जब पति को पत्नी के डांसर होने का पता चला, तो उसने उसे डांस छोड़ने के लिए दबाव बनाया। मना करने पर दोनों के बीच अक्सर झगड़े होने लगे, जिसके चलते माधुरी मायके चली गई थी।गुरुवार को आरोपी ने सुलह का झांसा देकर माधुरी को बुलाया।

बताया जा रहा है कि वह उसे सुनसान इलाके में ले गया और उसके ही दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद शव को नहर किनारे फेंककर घर लौट गया। बाद में आरोपी ने खुद डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को घटना की जानकारी दी और अपना जुर्म कबूल कर लिया।पुलिस ने मृतका की मां की तहरीर पर दहेज हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घुटने से मौत की पुष्टि हुई है।इस घटना का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि मृतका की ढाई साल की मासूम बेटी अब मां के साए से महरूम हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्री-वेडिंग शूट या साजिश का सेट ?

कोलकाता में 'रोमांस' के नाम पर की दरिंदगी

अयोध्या में दहेज की डील फेल तो टूटी शादी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या की बेटी के साथ हुआ यह कांड किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं, बस फर्क इतना कि यहां 'कट' बोलने वाला कोई डायरेक्टर नहीं था। प्री-वेडिंग शूट के बहाने युवती को कोलकाता बुलाया गया

और वहीं नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म का आरोप सामने आया। हालत बिगड़ी तो आरोपी ने जिम्मेदारी नहीं, दूरी चुनी पीड़िता को वापस अयोध्या भेज दिया गया, जहां वह निजी अस्पताल में जिंदगी और इंसाफ दोनों से जूझ रही है।

कहानी यहीं खत्म नहीं होती। शादी पहले से तय थी, लेकिन आरोपी पक्ष की डिमांड सुनिए थार गाड़ी और 25.51 लाख रुपए दहेज नहीं मिला तो रिश्ता भी

'रद्द'। अब सवाल यह है क्या बेटियों के सपनों की कीमत थार और कैश से तय होगी? पीड़ित परिवार ने एसएसपी से गुहार लगाई है, जबकि पुलिस जांच की बात कह रही है। लेकिन सच यह है कि हर देरी, आरोपी के हौसले को ही बढ़ाती है।

टप्पेबाज गिरोह का पर्दाफाश तीन शातिर गिरफ्तार

शातिरों के पास से कार, नकदी व तमंचा-कारतूस बरामद

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। कोतवाली नगर पुलिस ने शहर में सक्रिय टप्पेबाज गिरोह का खुलासा करते हुए तीन शातिरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार, 6200 रुपये नगद और एक देशी तमंचा मय दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर की सूचना के आधार पर बीजेपी कार्यालय तिराहे के पास से आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार शातिरों में कमलेश यादव, दीपक सिन्हा और राकेश शामिल हैं, जिनमें से दो का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है।

लाखों के शव वाहन 'मृत' गरीबों की जेब पर पड़ रहा बोझ

दशरथ मेडिकल कॉलेज में लापरवाही, एक वाहन खड़ा, दूसरा महीनों से वर्कशॉप में

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज, दर्शननगर में स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर हकीकत सामने आई है। लाखों रुपये खर्च कर खरीदे गए दो शव वाहन आज खुद 'शव' की तरह बेकार पड़े हैं। एक वाहन अस्पताल परिसर में जंग खा रहा है, जबकि दूसरा नाका बाईपास स्थित वर्कशॉप में महीनों से मरम्मत का इंतजार कर रहा है।

इस अव्यवस्था का खामियाजा गरीब परिवारों को भुगतना पड़ रहा है, जिन्हें अपने परिजनों के शव घर ले जाने के लिए हजारों रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। वर्ष 2022 में जनहित के नाम पर खरीदे गए ये वाहन महज चार साल में ही बेकार हो गए। सूत्रों के मुताबिक, एक वाहन 2025 में दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जबकि दूसरा भी कुछ ही समय बाद खराब हो गया। जिम्मेदार फर्म द्वारा पूर्व में पत्राचार के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब नए अधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार ने मामले का संज्ञान लिया है, लेकिन सवाल यही है जब तक फाइलें चलेंगी, तब तक गरीबों का दर्द कौन ढोएगा?

नेत्र चिकित्सा शिविर में 665 मरीजों ने कराया परीक्षण

तारुन के बनकटा इंटर कॉलेज में खराब मौसम में भी उमड़ी भीड़

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। खराब मौसम के बावजूद विकास खंड तारुन के किसान इंटर कॉलेज बनकटा में आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। शिविर के आयोजक जिला पंचायत सदस्य हरिश्चन्द्र निषाद ने बताया कि कुल 665 मरीजों ने नेत्र परीक्षण कराकर निःशुल्क दवा और चश्मा प्राप्त किया।

शिविर के दौरान करीब चार दर्जन मोतियाबिंद मरीजों को

चिन्हित कर अयोध्या आई हॉस्पिटल में ऑपरेशन के लिए भेजा जा रहा है।कार्यक्रम का शुभारंभ बीएसपी जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार पासी ने फीता काटकर किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए समय-समय पर आंखों की जांच कराते रहें। इस अवसर पर रवींद्र कुमार

भारती, करमवीर, राहुल चौधरी, राम प्रकाश पाल, राजीव कुमार, पवन जलवंशी, विन्दू निषाद आदि उपस्थित रहे।

नेपाल के लिए रवाना हुई तीन साल पहले भटक कर आई युवती

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। तीन साल पहले नेपाल से भटककर आई युवती को वापस भेज दिया गया। नेपाली दूतावास से पंजीकृत सामाजिक संस्था की अधिकारी सुनीता जेरू को बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी ने युवती को सौंप दिया है। उसे परिजनों से मिलाकर सीडब्लूसी को सूचित करने का निर्देश दिया गया है।बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी ने बताया कि वर्ष 2023 में नेपाल निवासी युवती गोंडा आकर भटक गई थी। जिला प्रोबेशन अधिकारी गोंडा के आदेश से वह राजकीय महिला शरणालय अयोध्या में आवासित थी। प्रधान मजिस्ट्रेट शिवांगी त्रिपाठी के निरीक्षण के दौरान इसे गंभीरता से संज्ञान लिया गया। युवती को उसके घर भेजने व परिजनों का पता करने के लिए चर्चा की गई।

नेपाल दूतावास से मान्यता प्राप्त रजिस्टर्ड संस्था को युवती का विवरण भेजा, जिसके बाद उसके भाई व माता का पता चला। उन्होंने बताया कि नेपाल में चुनाव होने व युवती के जिले में कर्फ्यू होने से वह बीते माह वापस नहीं जा पाई थी। बृहस्पतिवार को सामाजिक संस्था की ऑफिसर सुनीता जैरू युवती को अपने साथ लेकर रवाना हुईं।उन्होंने बताया कि युवती के घर के लोग निर्धन हैं। इस कारण वह नहीं आ सके। नेपाली अधिकारियों के माध्यम से वह युवती को उसके घर पहुंचाकर सूचित करेंगी।

कुष्मांडा: मां दुर्गा की चौथी शक्ति की पावन कथा

ब्रह्मांड को उत्पन्न करनेवाली मां कुष्मांडा

नवरात्रि में चौथे दिन देवी को कुष्मांडा के रूप में पूजा जाता है। अपनी मंद, हल्की हंसी के द्वारा अण्ड यानी ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इस देवी को कुष्मांडा नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि नहीं थी, चारों तरफ अंधकार ही अंधकार था, तब इसी देवी ने अपने ईषत् हास्य से ब्रह्मांड की रचना की थी। इसीलिए इसे सृष्टि की आदिस्वरूपा या आदिशक्ति कहा गया है।

इस देवी की आठ भुजाएं हैं, इसलिए अष्टभुजा कहलाईं। इनके सात हाथों में क्रमशः कमण्डल, धनुष, बाण, कमल-पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जप माला है।

इस देवी का वाहन सिंह है और इन्हें कुम्हड़े की बलि प्रिय है। संस्कृति में कुम्हड़े को कुष्मांड कहते हैं इसलिए इस देवी को कुष्मांडा। इस देवी का वास सूर्यमंडल के भीतर लोक में है। सूर्यलोक में रहने की शक्ति क्षमता केवल इन्हीं में है। इसीलिए इनके शरीर की कांति और प्रभा सूर्य की भांति ही दैदीप्यमान है। इनके ही तेज से दसों दिशाएं आलोकित हैं। ब्रह्मांड की सभी वस्तुओं और प्राणियों में इन्हीं का तेज व्याप्त है। अचंचल और पवित्र मन से नवरात्रि के चौथे दिन इस देवी की पूजा-आराधना करना चाहिए। इससे भक्तों के रोगों और शोकों का नाश होता है तथा उसे आयु, यश, बल और आरोग्य प्राप्त होता है। ये देवी अत्यल्प सेवा और भक्ति से ही प्रसन्न होकर आशीर्वाद देती हैं। सच्चे मन से पूजा करने वाले को सुगमता से परम पद प्राप्त होता है।

विधि-विधान से पूजा करने पर भक्त को कम समय में ही कृपा का सूक्ष्म भाव अनुभव होने लगता है। ये देवी आधियों-व्याधियों से मुक्त करती हैं और उसे सुख-समृद्धि और उन्नति प्रदान करती हैं। अंततः इस देवी की उपासना में भक्तों को सदैव तत्पर रहना चाहिए।

ब्रिटेन ने बदला रुख, ईरान पर हमले के लिए अमेरिका को सैन्य ठिकानों की खुली छूट

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ते हालात के बीच ब्रिटेन ने बड़ा रणनीतिक फैसला लेते हुए अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। इस निर्णय के बाद अमेरिका अब होर्मुज जलडमरूमध्य में सक्रिय ईरान के मिसाइल ठिकानों पर हमले के लिए ब्रिटिश बेस का उपयोग कर सकेगा।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के कार्यालय ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह कदम 'सामूहिक आत्मरक्षा' के सिद्धांत के तहत उठाया गया है। सरकार के अनुसार, इसका उद्देश्य उन सैन्य ठिकानों को निष्क्रिय करना है, जिनसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और जहाजरानी को खतरा पैदा हो रहा है।

इस फैसले के तहत अमेरिका को ऋस्न स्नड्डद्बह्द्धश्चह्स्न और हिंद महासागर स्थित छ्वद्गद्दश्च ह्लड्डह्म्ष्द्बड्ड जैसे अहम सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल की खुली छूट मिल गई है। ये दोनों बेस रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं और लंबी दूरी की सैन्य कार्रवाई के लिए उपयुक्त हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले तक स्टार्मर सरकार इस तरह की कार्रवाई को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए थी और कानूनी आधार पर जोर दे रही थी। हालांकि, क्षेत्र में बढ़ते हमलों और सहयोगी देशों पर खतरे के बाद ब्रिटेन ने अपना रुख बदल लिया। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह कदम काफी देर से उठाया गया है। उन्होंने ब्रिटेन की आलोचना करते हुए कहा कि उसे पहले ही इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए था।इस निर्णय के साथ ही पश्चिम एशिया में संघर्ष के और तेज होने की आशंका बढ़ गई है, खासकर तब जब होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का सबसे अहम मार्ग बना हुआ है।

ट्रंप ने ठुकराया युद्धविराम, भारत 'बैक-चैनल' में सक्रिय

पश्चिम एशिया में जारी टकराव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि वे ईरान के साथ किसी भी प्रकार का युद्धविराम नहीं चाहते। उनके अनुसार, जब सैन्य कार्रवाई निर्णायक मोड़ पर हो, तब युद्धविराम का कोई औचित्य नहीं रह जाता। दूसरी ओर, भारत इस संकट के आर्थिक और ऊर्जा प्रभावों को लेकर सतर्क हो गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे भारतीय तेल टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत ने बैक-चैनल कूटनीति तेज कर दी है। सरकार का प्रयास है कि तेल आपूर्ति बाधित न हो और घरेलू ऊर्जा जरूरतों पर न्यूनतम असर पड़े। मौजूदा हालात यह संकेत देते हैं कि एक ओर सैन्य कार्रवाई तेज हो रही है, वहीं दूसरी ओर भारत जैसे देश संतुलित कूटनीति के जरिए अपने रणनीतिक हितों की रक्षा में जुटे हैं। यह घटनाक्रम न केवल पश्चिम एशिया की स्थिरता के लिए चुनौती है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर भी इसके दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं।

'सामूहिक आत्मरक्षा' के नाम पर मंजूरी, होर्मुज में ईरानी ठिकाने निशाने पर, ट्रंप ने देरी पर जताई नाराजगी

क्या है 'सामूहिक आत्मरक्षा'?

- यह अंतरराष्ट्रीय कानून का सिद्धांत है, जो सहयोगी देशों को एक-दूसरे की रक्षा में सैन्य मदद की अनुमति देता है।
- आमतौर पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत इसका हवाला दिया जाता है।
- ब्रिटेन ने इसी आधार पर अमेरिका को सैन्य ठिकानों के उपयोग की मंजूरी दी है।

होर्मुज जलडमरूमध्य क्यों अहम?

- दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग 20% इसी मार्ग से गुजरता है।
- खाड़ी देशों से एशिया, यूरोप और अमेरिका को तेल आपूर्ति का प्रमुख रास्ता।
- यहां किसी भी सैन्य तनाव का सीधा असर वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ता है।

भारत के लिए क्या हैं खतरे?

- तेल आयात पर निर्भरता के कारण कीमतों में उछाल का खतरा।
- समुद्री मार्ग बाधित होने पर आपूर्ति संकट की आशंका।
- पश्चिम एशिया में काम कर रहे भारतीयों की सुरक्षा भी बड़ा मुद्दा।

कस्टडी में BSF जवान की मौत से सनसनी, परिवार ने लगाए टॉर्चर के आरोप

- ➩ हिरासत में बिगड़ी तबीयत, मौत से उठे सवाल
- ➩ जांच पर टिकी सबकी निगाहें, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

जम्मू/अमृतसर। सीमा सुरक्षा बल (BSF) के जवान जसविंदर सिंह की नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) की कस्टडी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से हड़कंप मच गया है। घटना के बाद जहां सुरक्षा एजेंसियों में हलचल तेज हो गई है, वहीं मृतक के परिजनों ने इसे सामान्य मौत मानने से इनकार करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, BSF की 42वीं बटालियन में तैनात जवान जसविंदर सिंह को NCB ने नशे से जुड़े एक मामले में हिरासत में लिया था। पूछताछ के लिए उन्हें अमृतसर ले जाया गया, जहां पूछताछ के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने की बात सामने आई। इसके कुछ ही घंटों बाद उनकी मौत की सूचना दी गई।

इस पूरे घटनाक्रम ने कई अहम सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनका जवाब अब जांच से ही सामने आएगा।

मृतक के परिवार ने घटना को संदिग्ध बताते हुए NCB पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि जसविंदर सिंह के साथ हिरासत में मारपीट और टॉर्चर किया गया, जिसके कारण उनकी मौत हुई।

पत्नी का आरोप है कि बिना स्पष्ट जानकारी दिए उन्हें हिरासत में लिया गया और परिवार को समय पर सूचना भी नहीं दी गई।

परिवार ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

प्रशासन सतर्क, मजिस्ट्रेटी निगरानी में पोस्टमार्टम

स्थानीय प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

शव को सिविल अस्पताल में सुरक्षित रखा गया है और मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, ताकि किसी भी तरह की शंका को दूर किया जा सके।

NCB की चुप्पी पर उठे सवाल

घटना के बाद अब तक NCB की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, जिससे मामले को लेकर संदेह और गहरा गया है।

छुट्टी पर घर आए थे जवान

बताया जा रहा है कि जसविंदर सिंह जम्मू के मीरां साहिब क्षेत्र के निवासी थे और छुट्टी पर अपने घर आए हुए थे, तभी उन्हें हिरासत में लिया गया। कस्टडी में BSF जवान की मौत ने सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन जांच प्रक्रिया का इंतजार करने की बात कह रहा है। अब पूरे मामले की सच्चाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट और निष्पक्ष जांच के बाद ही सामने आ सकेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**
ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com